

किताबें






किताबें

सफ़दर हाशमी की कविता


लेखक: सुरेन्द्र नायर
अभिलेखक: मनमोहन बाबा



किताबें
करती हैं बातें



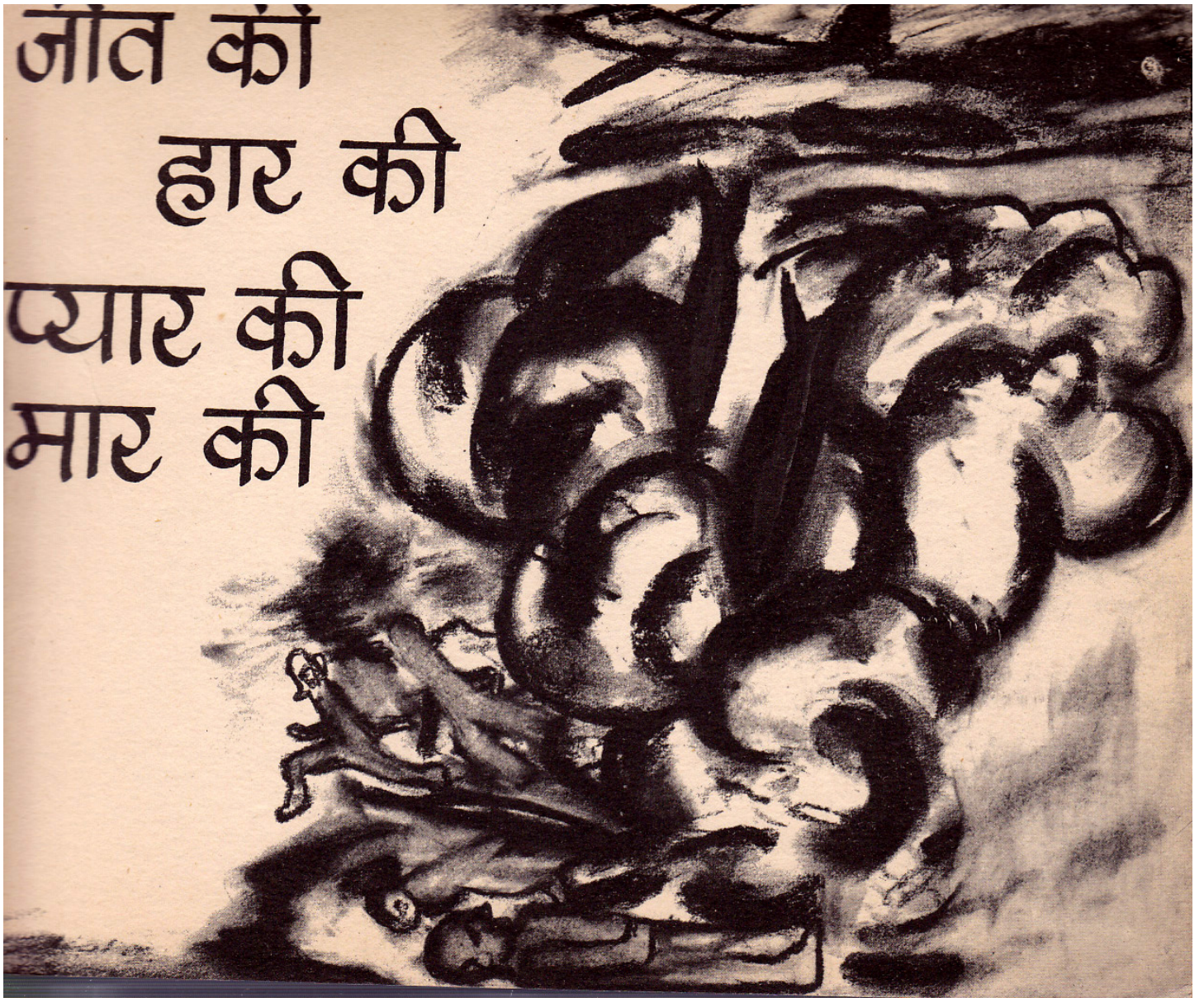
बीते
ज़मानों की
दुनिया की
इंसानों की
आज की
कल की
एक एक
पल की

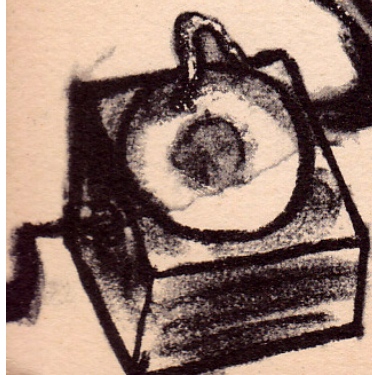


खुशियों की
ग़मों की

फूलों की
बमों की

जात को
हार की
प्यार की
मार की





क्या तुम
नहीं सुनोगे
इन किताबों की बातें?

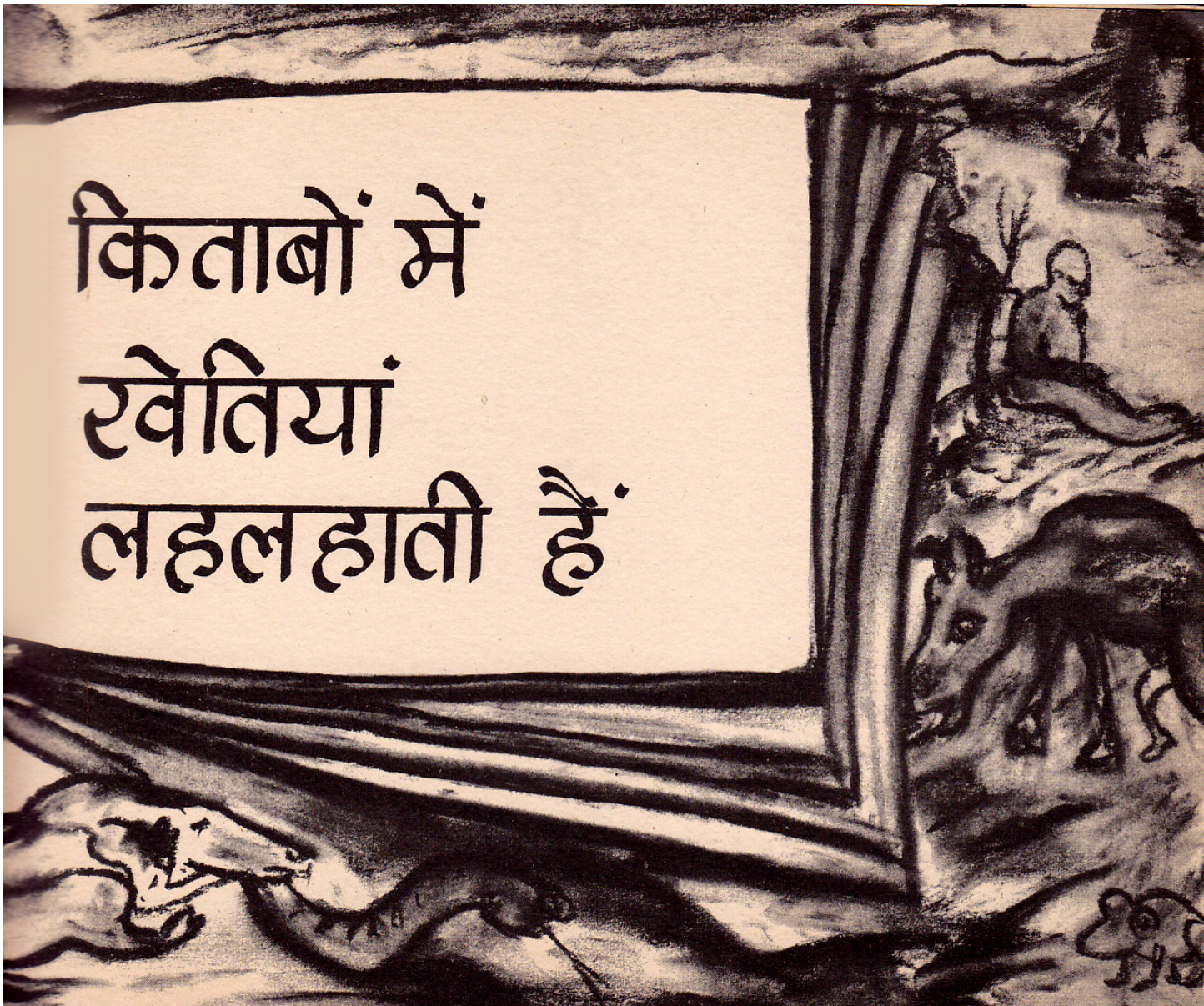
किताबें, कुछ कहना चाहती हैं
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं



किताबों में
चिड़ियां
चहचहाती हैं



किताबों में
खेतियां
लहलहाती हैं



किताबों में
झरने गुनगुनाते हैं
परियों के किस्से
सुनाते हैं



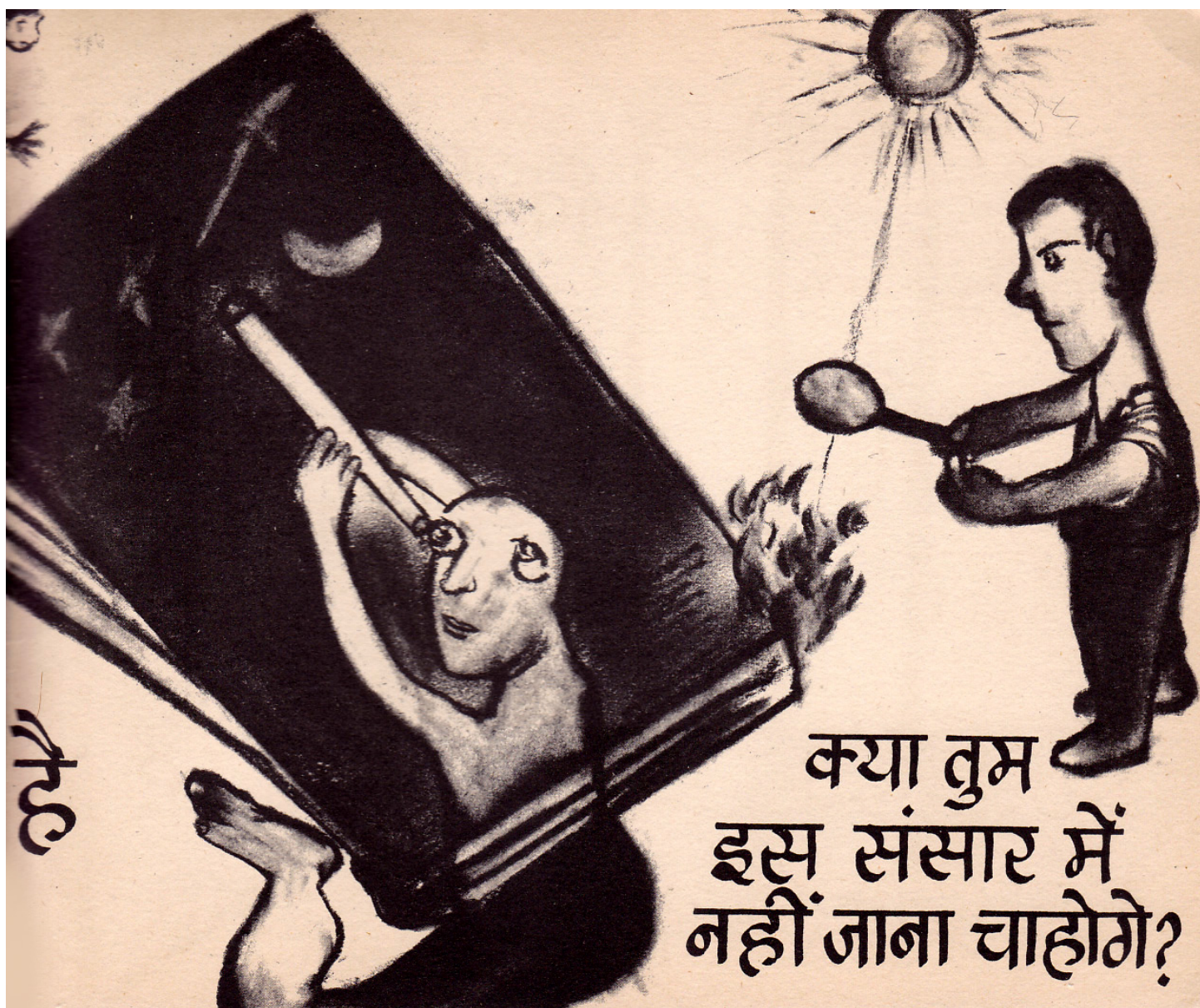


किताबों में
राकेट का राज़ है

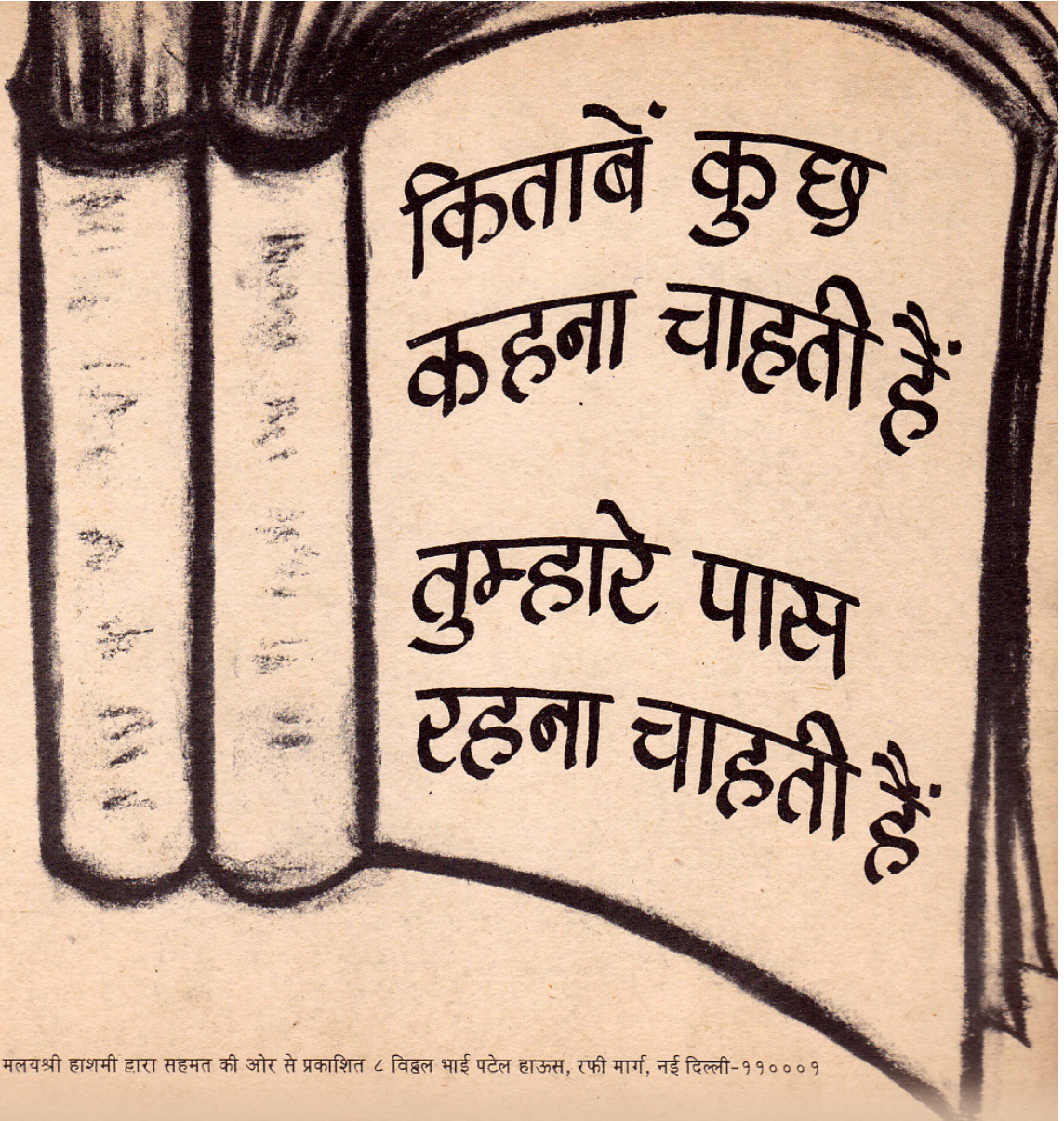
किताबों में
साइंस की आवाज़ है

किताबों का कितना बड़ा संसार
किताबों में ज्ञान का भंडार है





क्या तुम
इस संसार में
नहीं जाना चाहोगे?



किताबें कुछ
कहना चाहती हैं
तुम्हारे पास
रहना चाहती हैं